2015 - 2016

पहल

एक कदम बदलाव की ओर...

फसल परिवर्तन से ज्यादा मुनाफा कमाने की सफल गाथा

dsc
Development
Support
Centre

परिचयः मध्य प्रदेश के कुक्षी तहसील में कोण्दा नामक एक गांव बसा है। गांव कोण्दा में अधिकतर लोग खेती और मज़दूरी पर निर्भर हैं । पिछड़ा इलाका होने की वजह से यहां के ज्यादातर किसानो को नई फसलों के बारे में किसी भी प्रकार की कोई खास जानकारी नहीं है। इलाके के ज्यादातर लोग सीमांत किसान हैं और इस वजह से नई फसल लेने से डरते भी हैं।, क्षेत्र के ज्यादातर किसान परंपरागत तरीके से खेती करते हैं जिनसे उन्हें बहुत कम आमदनी प्राप्त होती है।

किसानों के हालात

यहाँ के किसान परंपरागत तरीकों वाली खेती करते हैं । रबी सीजन में गेंहू व खरीफ सीज़न में अधिकतर कपास, मक्का, अरहर और सोयाबीन जैसी फसलें उगाते हैं । क्षेत्र के किसानों में कृषि सम्बन्धी जागरूकता की कमी के कारण कृषि खर्च बहुत बढ़ चुका है जबकी स्थानीय फसलों के भाव लगभग स्थिर हैं जिसके कारण खेती से शुद्ध आय कम होती जा रही है और गुजारा मुश्किल होता जा रहा ह ।

बदलाव की पहल

चिर स्थायी कृषि के माध्यम से किसानों की आजीविका वृद्धि कार्यक्रम अंतर्गत डीएससी (डेवलपमेंट सपोर्ट सेंटर) संस्था ने इन गांवों में किसानों के हालत का अवलोकन किया। स्थानीय फसल जलवायु को ध्यान में रखकर किसानों की कृषि से शुद्ध आय बढ़ाने हेतु उन्होंने किसानों को तिल्ली की फसल का निदर्शन प्लाट देने का निर्णय लिया।

तिल्ली की फसल इस क्षेत्र के लिये नयी है और किसानों को इसके बारे में अधिक जानकारी नहीं है। किसानो को इस फसल पर मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से डीएससी की ओर से ६ किसानों के एक दल को गुजरात राज्य का प्रेरणा प्रवास करवाया गया। गुजरात राज्य के मोडासा, हिम्मतनगर , विसनगर, वीजापुर क्षेत्रों में किसानों ने तिल्ली की खेती कैसे की जाती है उसके बारे में जाना और साथ साथ अरँडी, सौंफ, जीरा, आलू और अन्य नगदी फसलों की जानकारी भी प्राप्त की। इस प्रेरणा प्रवास भ्रमण में किसानों को तिल्ली की फसल के वैज्ञानिक विधि व उससे सम्बंधित अन्य जानकारियां दी गयीं। उन्होंने कुछ तिल्ली उत्पादक सफल किसानों से भी मुलाक़ात की और उनसे तिल्ली फसल उत्पादन के तरीके सीखे।

निदर्शनी फसल

गुजरात के प्रेरणा प्रवास से मिली जानकारियों से प्रेरित होकर कुक्षी तहसील के किसानों ने खरीफ सीज़न में तिल्ली की फसल लेने का निर्णय किया। गांव के उत्सुक किसानो को तिल्ली की फसल कैसे ली जाती है उसकी पूरी जानकारी मिल सके, इस हेतु कोण्दा गांव की महिला किसान श्रीमती संगीता के एक बीघा खेत में उनकी सहमति से तिल्ली की निदर्शनी फसल लगाई गई।

क्रमांक	कार्य का विवरण	तिल्ली की फसल में कुल लागत	मक्का प्लाट में कुल लागत
१	जुताई का	५००	७००
२	गोबर खाद वर्मीकम्पोस्ट	७५०	८००
३	मिट्टी जांच	२०	०
४	बीज खरीदी	२६०	७००
५	बीज उपचार	५०	०
६	बुवाई	२००	४००
७	रासायणिक तर्त्व	३६०	०
८	खरपतवार	२००	४००
९	सुक्ष्म पोषक तर्त्व	३००	०
१०	सिंचाइ	१००	३००
११	चुनाई/कटाई मडाई थ्रेसिंग	४००	६००
१२	अन्य खर्च	२५०	२५०
	कुल खर्च	**३१९०**	**५१३०**
	कुल उत्पादन	**५२ की. ग्रा**	**५ क्विंटल**
	बाजार मूल्य	**१८० रु प्र.कि.**	**१३००रु प्र.कि**
	कुल आमदनी	**९३६० रु**	**६५०० रु**
	शुद्ध मुनाफा	**६१७० रु**	**१३७० रु**

संगीता जी के यहाँ लगे निदर्शन प्लाट का सकारात्मक परिणाम मिला। संगीता जी के शब्दों में १ बीघा ज़मीन में जब मक्का की खेती होती थी तब उससे ५ क्विन्टल उत्पादन मिला जिसका बाज़ार मूल्य रू.१३०० से था, यानि किसान को कुल आमदनी हुई रु ६५००. मतलब की इतनी सारी महेनत के बाद किसान को मुश्किल से सिर्फ रू. १३७० मिलते थे।

उसकी अपेक्षा उसी एक बीघा ज़मीन में जब तिल्ली की फसल उगाई गई तो कुल उत्पादन हुआ ५२ किलो ग्राम और वह रू.१८० प्रति किलो ग्राम बिका। इससे मूल्य प्राप्ति हुई रू.९३६० हुई। मतलब को किसान को सीधा ६१७० रु का शुद्ध मुनाफा प्राप्त हुआ दोनों फसलों में प्रत्यक्ष देखकर तुलना की तो पता चला कि आधुनिक तरीके से खेती करने पर हमेशा लाभ ही होता है।

बदलाव की शुरुआत

महिला किसान श्रीमती संगीता पति विजय गहलोत के निदर्शनी प्लाट व उसके सकारात्मक परिणाम से प्रभावित होकर कुक्षी तहसील के अन्य बहुत से किसान भी गुजरात राज्य के मोडासा, हिम्मतनगर , विसनगर, वीजापुर क्षेत्रों में प्रेरणा प्रवास करने के लिए गए। वहां के स्थानिय किसानो से मिले और आधुनिक तकनीक से की जानेवाली तिल्ली व अन्य नगदी फसलों की खेती और वर्मीकम्पोस्ट खाद इत्यादि के बारे में जानकारी हासिल की।

किसानो के क्षमता वर्धन हेतु डीएससी द्वारा गांव दोगाँवा में तिल्ली फसल पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ख इस कार्यशाला में तिल्ली फसल के आयोजन के बारे में आवश्यक प्रशिक्षण व तकनीकी जानकारी दी गयी। ये सब जानकारी और तकनीकी प्रशिक्षण हासिल करने के बाद कुक्षी तहसील के करीब १५० किसानों ने तिल्ली की फसल की जिसके लिए उन्होंने गुजरात के हिम्मतनगर से गुजरात-२ नामक ७०० किलो ग्राम तिल के बीज सामूहिक रूप से खरीदे। इस तिल के बीज को करीब ३०० एकड़ ज़मीन में बुवाई की गई। इससे अनुमानित उत्पादन लगभग १२० टन रहा। संगठित होकर उत्पादित तिल्ली बेचने पर किसानों को लगभग ९६,००,००० रु की शुद्ध आय हुई।

उपसंहार:

खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए कोण्दा गाँव व कुक्षी तहसील के किसानो ने परम्परागत फसलों के स्थान पर फसल परिवर्तन के द्वारा क्षेत्र में नयी फसल उगाने का प्रयोग किया ख इससे एक नयी फसल के बारे में उनकी जानकारी में वृद्धि तो हुई ही, उन्होंने मांग आधारित बाज़ार व्यवस्था की ओर एक कदम भी बढ़ाया जिससे उनकी खेती को बाज़ार का समर्थन मिला व खेती से शुद्ध आय में भी बढ़ोत्तरी हुई ख

प्रतिवेदक : श्री मोहित पाटीदार, श्री विजय गेहलोत • **सहयोग** : श्री कमलेश रजत • **मार्गदर्शक** : श्री मोहन शर्मा

dsc
Development
Support
Centre

डीएससी का परिचय

डीएससी वर्ष १९९४ से प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसे कि जल, जमीन और कृषि विकास से आजिविका वृद्धि हेतु ज्ञान आधारित सहयोग प्रदान करने का कार्य कर रही है ख इसके तहत राज्य व केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों तथा अन्य संस्थाओं के साथ जुड़कर नीति निर्धारण, क्षमतावर्धन, अनुसंधान, मूल्यांकन, नेटवर्किंग आदि माध्यम से कृषि में उपयुक्त एवं स्थायी विकास करने हेतु संस्था निरंतर प्रयत्नशील है। डीएससी संस्था गुजरात में मेहसाना, साबरकांठा, आणंद, अमरेली, राजकोट आदि जिलों में तथा मध्यप्रदेश के धार, अलीराजपुर, इन्दौर एवं देवास जिलों में ३00 से अधिक गांवों के लगभग एक लाख किसान परिवारों को वॉटरशेड, सहभागी सिंचाई प्रबंधन तथा कृषि व उद्यमिता विकास आदि कार्यक्रमो के ज़रिए सहयोग कर रही है। रतन दोराब जी टाटा ट्रस्ट, मुंबई; रॉयल बैंक ऑफ स्कॉटलैंड फाउंडेशन, भारत; व आई डी एच के वित्तीय सहयोग से संस्था परियोजना क्षेत्र में कृषि को चिरस्थायी बनाने व कृषि से आजिविका में वृद्धि करने हेतु कृत संकल्पित है.

संपर्कः

यदि आपको इस प्रकार की खेती के लिए अधिक जानकारी अथवा मार्गदर्शन चाहिए तो कृपया नीचे दिए पते पर संपर्क करें

डेवलपमेन्ट सपोर्ट सेन्टर, कुक्षी

मोबाईल नंबरः ०९४०७१२३९१३

कान्तिकुमार जैन के मकान में, होण्डा शो-रूम के सामने, अलिराजपुर रोड, कुक्षी, जिला धार, (म.प्र.)

डेवलपमेन्ट सपोर्ट सेन्टर, मनावर

मोबाईल नंबरः ०९४०७१३९३४३, मांगलिक भवन के पास, मेला मैदान रोड, मनावर- ४५४४४६, जिला- धार

Concept & Design by : www.madhyam.org